IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 3, January 2025

महर्षि पतंजलि योगदर्शन की अवधारणा व स्वरुप का परिचय

डॉ. जयदेव

सहायक प्रोफेसर, योग विज्ञान विभाग

महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय, पोखरा पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड

शोध सारांश : योग कीर्ति को प्रत्येक जन मानस तक पहुँचाने व मानव को महामानव बनाने वाली प्रक्रिया योग विद्या का रहस्य जितना गूढ माना जाता है। उसके कहीं अधिक योग विद्या के प्रणेता महर्षि पतंजलि का जीवन चरित्र है। योग के क्षेत्र में महर्षि का जीवन चरित्र वस्तुतः जो जन सामान्य के सामने हैं, परंतु आज भी उनके जीवन के ऐसे अनसुलझे पहलू हैं। जिनसे मानव मात्र अनभिज्ञ है। उनका सम्पूर्ण जीवन रहस्य से अभीभूत माना जाता है। उनका सम्पूर्ण जीवन योग के प्रति समर्पित था। अपने जीवन काल में उन्होंने बहुत से उत्कृष्ट कार्य किए परंतु योग क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। योग के क्षेत्र में उनके योगदान का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके द्वारा रचित योग सूत्र वर्तमान काल में भी योग का एक अद्वितीय ग्रंथ माना जाता है। जिसका साक्षी आज भी कोई ग्रंथ नहीं है।